विद्या -भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

नीतू कुमारी ,वर्ग -पंचम,विषय -हिंदी व्याकरण,

दिनांक-07-06-2021 एन.सी.ई.आर..टी पर आधारित

पाठ-4 संज्ञा

सुप्रभात बच्चों,

पिछले कक्षा में संज्ञा, व्यक्तिवाचक और जातिवाचक के बारे में बताया गया। आज आपको भाववाचक संज्ञा के बारे में जानना है-

भाववाचक संज्ञा--जिस संज्ञा शब्द से किसी प्राणी अथवा पदार्थ की दशा, अवस्था, भाव,आदि का बोध हो, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे-बुराई से बचो। सच्चाई और ईमानदारी की राह पर चलो। यहां बुराई ,सच्चाई, ईमानदारी गुण या भाव प्रकट कर रहे हैं। अतः ये भाववाचक संज्ञाएं हैं।

*कुछ अन्य उदाहरण—

मधुरता, नेकी, बुढ़ापा, बचपन, खुशी, क्रोध, ऊंचाई, कायरता, वीरता आदि।

भाववाचक संज्ञा बनाना

जातिवाचक संज्ञा, विशेषण ,सर्वनाम, क्रिया तथा अव्यव से भाववाचक संज्ञाएं बनाई जाती है।

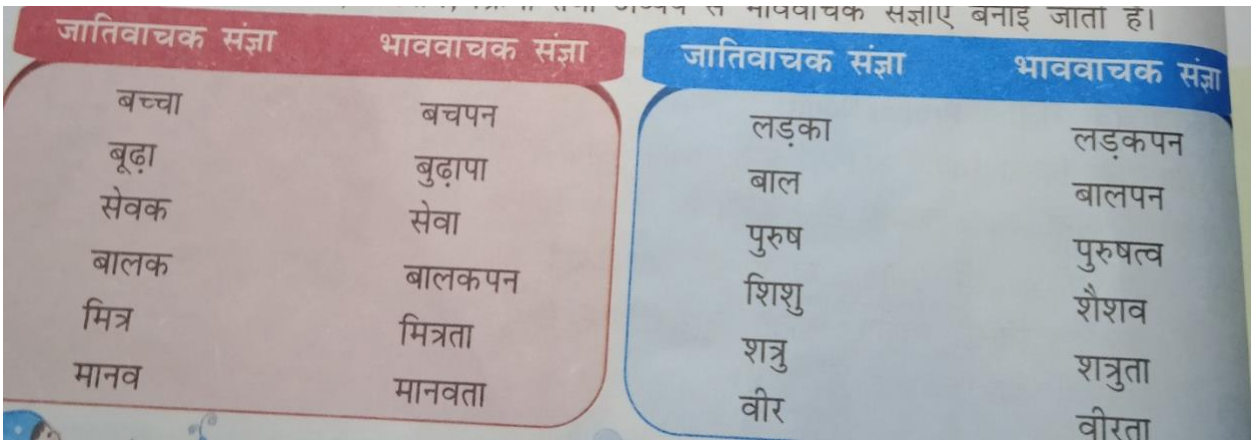

गृहकार्य-

दी ,गई अध्ययन-सामग्री पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।